

संचालनालय एकीकृत बाल विकास सेवा म.प्र.

विजयाराजे वात्सल्य भवन प्लाट नम्बर 28, जेल रोड अरेरा हिल्स, भोपाल

क्रमांक / पोआ / 15 / 3752
प्रति,

भोपाल, दिनांक 5 .08.2015

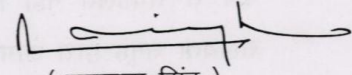
जिला कार्यक्रम अधिकारी,
एकीकृत बाल विकास सेवा,
जिला-समस्त (म.प्र.)

विषय:- बाल विकास परियोजनाओं में स्व सहायता समूहों के माध्यम से पूरक पोषण व्यवस्था के संबंध में।

विभिन्न जिलों की आंगनवाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार कार्यक्रम पूर्णतः सुचारु रूप से संचालित नहीं किये जाने के संबंध में काफी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। स्व सहायता समूह द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में नियमित रूप से सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का भोजन निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए लेकिन जिलों के विभिन्न स्व सहायता समूहों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार का प्रदाय नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है। समूहों द्वारा पोषण आहार के देयक प्रतिमाह प्रस्तुत नहीं किए जा रहे हैं तथा यह भी देखने में आया है कि जिलों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थित वास्तविक हितग्राहियों की संख्या से अधिक हितग्राहियों के मान से देयकों का भुगतान स्व सहायता समूहों को किया जा रहा है। स्व सहायता समूहों द्वारा प्रदाय किये जा रहे पूरक पोषण आहार का जिला अधिकारी एवं परियोजना अधिकारियों द्वारा भी नियमित रूप से निरीक्षण नहीं किया जाता है, जो कदापि उचित नहीं है।

भविष्य में जिलों की समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में स्व सहायता समूहों द्वारा प्रदाय किये जा रहे पूरक पोषण आहार का नियमित रूप से निरीक्षण जिला अधिकारी, परियोजना अधिकारी द्वारा किया जावे। स्व सहायता समूहों को कड़े निर्देश दिये जावे कि समूहों द्वारा सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का भोजन गुणवत्तायुक्त निर्धारित मात्रा एवं समय पर अनिवार्य रूप से किया जावे तथा उनके द्वारा पूरक पोषण आहार के देयक मासिक रूप से प्रस्तुत किए जावे। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि वास्तविक रूप से जितने हितग्राही आंगनवाड़ी केन्द्र में पोषण आहार (नाश्ता/भोजन) प्राप्त

कर रहे है उसी के मान से समूहों के देयकों का भुगतान हो । जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा जिले के ऐसे केन्द्रों पर जहाँ प्रदायकर्ता समूह को औसतन 50 हितग्राही प्रतिदिन से अधिक के मान से भुगतान किया जा रहा है,ऐसे केन्द्रों का भुगतान करने के पूर्व जिला अधिकारी स्वयं प्रतिमाह हितग्राहियों की उपस्थिति का भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करें तथा इस बात का प्रमाण पत्र परियोजना अधिकारी से आवश्यक रूप से लिया जावे कि वास्तव में देयक में उल्लेखित हितग्राही आंगनवाडी केन्द्रों में नियमित रूप से उपस्थित हो रहे है । भविष्य में यदि वास्तविक उपस्थित हितग्राहियों की संख्या से अधिक के मान से भुगतान किया जाना पाया जाता है तो इसके लिये सीधे जिला कार्यक्रम अधिकारी को पूर्ण रूप से जिम्मेदार माना जावेगा ।



(पुष्पलता सिंह)

आयुक्त,

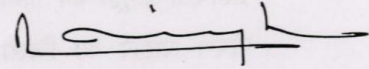
एकीकृत बाल विकास सेवा,म.प्र.

भोपाल,दिनांक 5.8.2015

पृष्ठां.क्रमांक/पोआ/ 15/3753

प्रतिलिपि:-

1. कलेक्टर, समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।
2. संभागीय संयुक्त संचालक समस्त संभाग की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।



आयुक्त,

एकीकृत बाल विकास सेवा,म.प्र.